दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शनिवार 04 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 184

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना पर मंत्री समूह ने लिया हालात का जायजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कोरोना से निपटने के लिए गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने हालात का जायजा लिया। जीओएम ने कोरोना से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में रक्षा मंत्री के साथ ही गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, प्रकाश जावड़ेकर और स्मृति ईरानी ने हिस्सा लिया। जीओएम ने गुरूवार को कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में अचानक हुई बढ़ोत्तरी पर चर्चा के साथ भविष्य में इसके और बढने की स्थिति में तैयारियों पर चर्चा की। गौरतलब है कि गुरूवार को पहली बार महज 24 घंटे में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में करीब 500 की बढ़ोत्तरी हुई। इस बैठक में तबलीगी जमात के कारण चुनौतीपूर्ण बनी स्थिति से भी निपटने पर चर्चा हुई। दरअसल बीते चार दिनों से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में अचानक तेजी दर्ज की गई है। पिछले 96 घंटे में करोना के 1200 संक्रमित नए मामले सामने आए। इनमें से 60 फीसदी मामले सीधे सीधे तबलीगी जमात से जुड़े थे।

देशभर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 2301 पहुंची

» देश में कोरोना संक्रमण से अब तक हुई 56 लोगों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस का कहर देश में लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक देशभर में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2301 हो गई है। इनमें से 2088 सक्रिय मामले हैं, 157 लोग स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और एक बाहर चला गया है। वहीं 56 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में कोरोना वायरस के हालात को लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन करते हुए बताया कि देश में कल से लेकर आज तक कोरोना वायरस के 336 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस जानलेवा वायरस से अब तक 2301 लोग संक्रमित हो चुके है और 56 लोगों की मौत हुई है। संयुक्त सचिव ने बताया कि इन 56 मौतों में से 12 मौतें कल हुई हैं। इस जानलेवा वायरस से अब तक 157 मरीज पूरी तरह ठीक हुए है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने मरीजों और उनके परिवारों से अपील की है कि वे डॉक्टरों की राह में कोई बाधा न खड़ी करें। उन्होंने डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार पर भी चिंता व्यक्त की है।

अनंतनाग में एक की गोली मारकर हत्या

श्रीनगर (आरएनएस)। एक और जहां पूरी दुनिया कोरोना से जूझ रही है, वहीं आतंकवादी अपनी नापाक हरकतों से बाज आने का नाम नहीं ले रहे है। कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को हुई इस वारदात की जानकारी गुरुवार को दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अनंतनाग जिले के फतेपोरा लारकीपोरा गांव में आतंकवादियों ने आम नागरिक को करीब से गोली मारी। एक सूत्र ने कहा, घायल व्यक्ति को अनंतनाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मुहम्मद सलीम डार के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि इलाके की नाकेबंदी कर अतंकवादियों की तलाश की जा रही है। आतंकवादियों ने एक दिन पहले कुलगाम जिले के नंदीमर्ग गांव में दो नागरिकों की हत्या कर दी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया था कि एक अज्ञात हमलावर ने कुलगाम जिले के नंदीमार्ग पर बुधवार रात करीब 11 बजकर 20 मिनट पर दो नागरिकों पर गोली चलाई। उन्होंने कहा, इस हमले में घायल हुए दोनों नागरिकों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। नागरिकों की पहचान सिराज अहमद गोरसे और गुलाम हसन वागे के रूप में हुई है। उन्होंने कहा था कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा।

पीएम मोदी ने 5 अप्रैल को रात नौ बजे देशवासियों से मांगे नौ मिनट

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम जारी अपने वीडियो मेसेज में देशवासियों से 5 अप्रैल, रविवार को रात नौ बजे घरों सारी बत्तियां बुझाकर 9 मिनट के लिए मोमबत्ती, दिया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने शुक्रवार सुबह नौ बजे राष्ट्र के नाम संदेश में कहा कि रविवार 5 अप्रैल को कोरोना के संकट को चुनौती देनी है। उसे प्रकाश की ताकत का परिचय करना है। इस 5 अप्रैल को 130 करोड़ देशवासियों की महाशक्ति का जागरण कराना है। 5 अप्रैल यानि रविवार को रात नौ बजे वे आप सबके 9 मिनट चाहते हैं। सभी नागरिक रात नौ बजे घर की सभी लाइटें बंद करके घर के दरवाजे या बालकनी में मोमबत्ती, दिया, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चारों तरफ हर व्यक्ति जब एक-एक दिया जलाएगा तो प्रकाश की उस महाशक्ति का अहसास होगा, जिसमें यह उजागर होगा कि हम एक ही मकसद से एकजुट होकर लड़ रहे हैं। उस उजाले में हम संकल्प करें कि हम अकेला नहीं हैं। मोदी ने कहा कि समय-समय पर देशवासियों की इस सामूहिक शक्ति की विराटता, इसकी भव्यता और इसकी दिव्यता की अनुभूति करना आवश्यक है। देश जब इतनी बड़ी लड़ाई लड़ रहा हो तो हमें जनता-जनार्दन के विराट स्वरूप, उनकी अपार शक्ति का लगातार साक्षात्कार करते रहना चाहिए। मोदी ने लोगों से यह भी अपील की कि इस 9 मिनट के आयोजन के समय किसी को भी, कहीं पर भी इकट्ठा नहीं होना है। दरअसल, 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान शाम पांच ताली, थाली, घंटी आदि बजाकर कोरोनावीरों का धन्यवाद किए जाने की अपील पर कई लोग घरों से बाहर निकल गए थे। देश के कुछ इलाकों से ऐसी तस्वीरें आई जिनमें लोगों को भीड़ जुटाकर जश्न मनाते देखा गया। पीएम ने उन्हीं दृश्यों के मद्देनजर इस बार लोगों को घरों में रहकर ही 9 मिनट का आयोजन संपन्न करने की हिदायत दी।

अब दुनिया बजा रही है ताली, थाली, घंटी

प्रधानमंत्री ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान शाम 5 बजे कोरोनावीरों के सम्मान में ताली, थाली और घंटी आदि बजाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने 22 मार्च को कोरोना वीरों के प्रति जिस तरह धन्यवाद दिया।

सरकार ने किसानों के लिए लांच किया नया पोर्टल

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक कृषि बाजार मंच (ई-नाम) में नई सुविधाओं की शुरुआत की है, जिससे किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गोदामों के साथ-साथ संग्रह केंद्रों से भी सीधा व्यापार हो सके। सरकार ने कोरोनो वायरस के खतरे के बीच थोक बाजारों में भीड़-भाड़ कम करने के किये जा रहे अपने प्रयासों के तहत यह कदम उठाया है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों द्वारा कृषि ऊपज के विपणन की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम) प्लेटफॉर्म पर दो नये विशेषताओं को जोड़ा है, जो किसानों को उनकी उपज को बेचने के लिए शारीरिक रूप से थोक मंडियों में आने की जरूरत को खत्म कर देगा। यह उस समय शुरू किया गया है जब कोविड-19 के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए मंडियों में भीड़ भाड़ को कम करने की सख्त आवश्यकता है। ई-नाम सॉफ्टवेयर में पहला, वेयरहाउस-आधारित ट्रेडिंग मॉड्यूल ई-एनडब्ल्यूआर (इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी लेने देन योग्य भंडारगृह की रसीद) गोदामों से व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा।

धारावी में अब डॉक्टर भी कोरोना की चपेट में

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई की झुग्गियों में कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में कोरोना से पहली मौत हो चुकी है।

इस बीच धारावी में कोरोना का एक और पॉजिटिव केस सामने आया है। घनी आबादी वाले इलाके में कोरोना के बढ़ते मामलों से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की चिंता बढ़ती जा रही है। धारावी में 35 साल का एक डॉक्टर का सैंपल कोरोना पॉजिटिव मिला है। केस

» देश में संक्रमितों की संख्या 2331

कंफर्म होने के बाद डॉक्टर के परिजनों को भी चारंटीन किया गया है। परिवार वालों की आज जांच होगी। इस बीच बीएमसी प्रशासन डॉक्टर के संपर्क में आए लोगों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में जुट गया है। जिस बिल्डिंग में कोरोना पीड़ित रह रहा था उसे बीएमसी ने सील कर दिया है।

वहीं दूसरी ओर कोरोना वायरस का देश और दुनिया में तेजी से प्रसार हो रहा है। देश में अब तक सामने आए कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 2331 तक पहुंच चुकी है। गुरुवार को देश में एक दिन के अंदर 342 नए मामले सामने आए। एक दिन में 14 लोगों की मौत से देश में मरने वालों की संख्या भी बढ़कर 73 हो गई है। वहीं 174 लोग इससे ठीक हो चुके हैं। दुनिया के कई देश भी कोरोना की भयंकर चपेट में आ चुके हैं।

कोरोना के विरुद्ध एकजुटता दिखाएं देशवासी: हेमा मालिनी

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी ने कोरोना वायरस के विरूद्ध जंग में लोगों से एकजुटता दिखाने और एक साथ आने की अपील की है। कोरोना वायरस के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वीडियो मैसेज के जरिए पूरे देश को संबोधित किया है। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए लोगों से एकजुटता दिखाने की सलाह दी, साथ ही पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिये दीये, मोमबत्तियां और टॉर्च आदि जलाकर प्रकाश फैलाने के लिए कहा है। इस वीडियो मैसेज को लेकर हेमा मालिनी ने ट्वीट किया है जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हमें घातक कोरोना वायरस के खिलाफ जारी जंग के लिए अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शपथ लेनी चाहिए। यह समय है एक साथ आने का, हमारी एक जुटता दिखाने का और कोरोना वायरस को कंट्रोल करने में सरकार की मदद करने का। हम पांच अप्रैल को उनके अनुरोध को पूरा करेंगे।

यूपी में अब लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर आपदा एक्ट-2005 के तहत होगी कार्रवाई

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में अब लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपदा एक्ट-2005 (एपिडेमिक एक्ट) के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही कोरोना से लड़ने के लिए प्रदेश सरकार कोरोना केयर कोष का गठन करने जा रही है। इस कोष का उपयोग मेडिकल कॉलेजों में कोरोना संबंधी उपचार की व्यवस्था को बेहतर करने, टेस्टिंग किट, पीपीई किट, वेंटीलेटर, कोरेंटीन व आइसोलेशन वॉर्ड व टेली मेडिसिन के लिए किया जाएगा। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि 15 अप्रैल को लॉकडाउन खोलने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। आपको बता दें कि केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर लॉकडाउन के उल्लंघन और फेक न्यूज पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गृहमंत्रालय की प्रवक्ता पुण्य सलिल श्रीवास्तव ने बताया कि पत्र में गृह सचिव भल्ला ने राज्यों को निर्देश दिया है।

देश को बांटने की राजनीति कर रही है कांग्रेसः नड्डा

» यूपी के कार्यकर्ताओं से किया संवाद

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पश्चिम, अवध, काशी, गोरखपुर, ब्रज और कानपुर के क्षेत्रीय प्रभारियों, संगठन मंत्रियों सांसदों, विधायकों एवं जिला अध्यक्षों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कोरोना के खिलाफ लड़ाई से जुड़े पार्टी कार्यक्रमों की जानकारी ली। संवाद के दौरान संगठन महासचिव बीएल संतोष उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और राज्य के संगठन मंत्री उपस्थित थे।

इस दौरान नड्डा ने कहा कि वैश्विक कोरोना संकट की इस घड़ी में भी मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं को राहत देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके बावजूद संकट की इस घड़ी में भी कांग्रेस ओछी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही। ऐसे समय में जब पूरी सरकार और देश इस संकट से निपटने के प्रयासों में लग रहा है तब कांग्रेस के नेता लोगों के बीच हाहाकार मचाना चाहते हैं। यह इस पार्टी के वैचारिक दिवालियेपन को दिखाता है। आपदा की आपदा की घड़ी में भी इस प्रकार की अनर्गल बातें करना देश को बांटने की उनकी साजिश को ही दर्शाता है।

नड्डा ने पीएम की ओर से एकजुटता और सामूहिकता प्रदर्शित करने के लिए आगामी रविवार को रात नौ बजे नौ मिनट तक रोशनी करने संबंधी अपील को लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

मनरेगा की मजदूरी के लिए 1016 करोड़ जारी करने की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रथम 3 माह की मजदूरी एक हजार 16 करोड़ रूपए की राशि केन्द्र से शीघ्र जारी करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने पत्र में लिखा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण

» सीएम के मुख्यमंत्री ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी को खत

अर्थव्यवस्था के आधारभूत संगठको में से एक महत्वपूर्ण घटक है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत 39 लाख 56 हजार परिवारों के 89.20 लाख श्रमिकों में से 32 लाख 82 हजार परिवारों के 66 लाख 5 हजार श्रमिक सक्रिय रूप से योजना के माध्यम से रोजगार प्राप्त करते है। माह मार्च 2020 के प्रारंभ में राज्य में लगभग 12 लाख श्रमिक प्रतिदिन योजना अंतर्गत कार्य कर रहे थे। विगत 10 दिन दिवस से कोरोना वायरस के संक्रमण में बरती जाने वाली सावधानियों के कारण श्रमिकों की संख्या बहुत कम हो गई है।

राजस्थान में 21 और मप्र में मिले 14 नए केस

जयपुर (आरएनएस)। भारत में कोरोना तेजी से बढ़ता जा रहा है। राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना पोजिटिव के 21 नए मामले सामने आए है जबकि मध्यप्रदेश में 14 नए केस मिले है। राजस्थान में अब तक कोरोना पोजिटिव की संख्या बढ़कर 154 हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राजस्थान के टोंक में 12, जयपुर के रामगंज में सात और बीकानेर में दो तबलीगी जमाती कोरोना पोजिटिव पाये गये हैं। बीकानेर में एक मस्जिद क्षेत्र में त्रिपुरा से लौटे दो जमाती कोरोना पोजिटिव पाये गये। इस पर उन्हें आइसोलेट करके फड़ बाजार और रानीसर बास में कर्फ्यू लगा दिया गया। जयपुर के रामगंज में आज सात और नये मामले सामने आये हैं। यहां सभी संक्रमित पाये जाने वाले ओमान से लौटे कोरोना पोजिटिव के सम्पर्क में आये थे। ऐसा बताया जा रहा है कि वह व्यक्ति करीब 200 लोगों के सम्पर्क में आया था। उधर, भीलवाड़ा, अजमेर और राज्य के अन्य जिलों में फिलहाल कोरोना पोजिटिव का नया मामला सामने नहीं आया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राजस्थान के 16 जिले कोरोना वायरस की चपेट में आ गये हैं। राज्य में अब तक कुल 7984 सैम्पल की जांच की गई, इनमें 154 पोजिटिव और 7219 निगेटिव हैं, जबकि 629 की रिपोर्ट आनी हैं। इस दौरान उपचार के बाद 21 पोजिटिव स्वस्थ होकर कोरोनामुक्त हुए हैं, इनमें 11 को छुट्टी दे दी गयी है। कोरोना संक्रमितों में से राज्य के 111 हैं, जबकि 18 ईरान से लाये गये नागरिक और 23 तबलीगी जमाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी मजदूरों को न्यूनतम वेतन देने की याचिका पर केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर और अंजलि भारद्वाज की याचिका पर सुनवाई करते हुए भारत सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में दोनों ने प्रवासी मजदूरों को तत्काल न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करने के लिए निर्देश देने की मांग की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कोरोना वायरस की वजह से लागू हुए लॉकडाउन के कारण वे ही सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को प्रवासी मजदूरों की एक और याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने लॉकडाउन के दौरान शहरों से अपने पैतृक गांव लौट रहे बेरोजगार कामगारों के रहने के लिए होटलों और रिजार्ट का आश्रय गृहों के रूप में इस्तेमाल करने का निर्देश देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया और कहा कि सरकार को हर तरह के विचारों पर ध्यान देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से

सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी उस वक्त की जब केंद्र की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने इस संबंध में दायर एक अर्जी पर आपत्ति की। मेहता ने कहा कि इन कामगारों के आश्रय स्थल के लिए राज्य सरकारों ने पहले ही स्कूलों और ऐसे ही दूसरे भवनों को अपने अधिकार में ले लिया है। न्यायालय में पेश आवेदन में आरोप लगाया गया था कि पलायन करने वाले कामगारों को जहां ठहराया गया है वहां सफाई की समुचित सुविधाओं का अभाव है।

पीठ ने कहा कि सरकार को तमाम सारे विचारों को सुनने के लिए न्यायालय बाध्य नहीं कर सकता क्योंकि लोग तरह-तरह के लाखों सुझाव दे सकते हैं। लॉकडाउन की वजह से शहरों से पैतृक गांवों की ओर पलायन करने वाले दैनिक मजदूरों का मुद्दा पहले से ही न्यायालय के विचाराधीन है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने 31 मार्च को केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि पलायन कर रहे इन कामगारों को आश्रय गृह में रखा जाए और उनके खाने-पीने और दवा आदि का बंदोबस्त किया जाए। शीर्ष अदालत ने इन कामगारों को अवसाद और दहशत के विचारों से उबारने के लिए विशेष सलाह देने के लिए विशेषज्ञों और इस काम में विभिन्न संप्रदायों के नेताओं की मदद लेने का भी निर्देश दिया था।